less than 50 per cent which would be beyond the reach of the common man who is already groaning under the ever mounting prices of other essential commodities.

In view of this, I would demand of the Government to make available X-ray films in sufficient quantities to all branches of the Company, to keep three-month stock in the branches, to reduce the prices of X-ray films, to abandon the idea of charging 20 per cent extra, to send X-ray films immediately to Patna and to the establish another factory of photo-films in Northern India to facilitate supply of films for X-ray and other purposes.

(ii) Development of Chittorgarh Fort as a place of tourist attraction

प्रो. निर्मला कुमारी शक्तावत (चित्तौड़गढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, पर्यटन उद्योग भी देश का एक प्रमुख उद्योग है। भारतवर्ष में इसके विकास की बहुत अधिक संभावनायें है। यह वह उद्योग है, जिसके लिए न कच्चे माल की आवश्यकता है और न बाजार ढूंढने की। आवश्यकता मात्र है पर्यटन विकास की सभावनाओं वाले क्षेत्र को आकर्षित करने की।

इसी सबध में मैं चित्तौड़गढ़ दुर्ग राजस्थान की तरफ पर्यटन मत्रालय का ध्यान दिलाना चाहूगी। चित्तौडगढ़ दुर्ग भारतवर्ष का एक प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है। जहां शक्ति तथा भक्ति के सगम का गौरवमय इतिहास रहा है। यहां देशी तथा विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय ध्यान दे : सर्वप्रथम, थर्ड एयर लाइस के चित्तौड़गढ़ को अवश्य ही जोड़ा जाये। चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर हो शैलानियों के ठहरने की समुचि व्यवस्था नहीं है, जो कि की जानी चाहिए।

इस क्षेत्र में सुन्दर हरे भरे हैंगिग गार्डन विकसित किए जायं। इसके विकास में केन्द्रीय सरकार मदद करे।

गेम्स सैंचुरी भी यहां विकसित करके इसकी शोभा बढ़ाई जा सकती है।

लाइट एड साउंड का कार्यक्रम को यहां प्रारम्भ किया जाए जिसके माध्यम से पदमनी, मीरा पन्ना धाई के गौरवमय तथा तीगमय इतिहास को पुनर्जीवित किया जा सकता है।

अत: देश के बलिदानमय इतिहास का प्रेरणादायक प्रतीक चित्तौडगढ़ दुर्ग के पर्यटन विकास की ओर केन्द्रीय सरकार अधिक ध्यान दें।

(iii) Need to upgrade Jodhpur city to B-2 category

श्री अशोक गहलोत (जोधपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, जोधपुर शहर को अभी तक बी–2 श्रेणी का शहर घोषित नहीं करने से आम लोगों में भारी आश्चर्य व रोष व्यक्त किया जाने लगा है, क्योंकि यह शहर लंबे समय से वे सभी मापदंड पूरे कर चुका है जिनके आधार पर शहरों को वित्त मंत्रालय बी–2 श्रेणी के शहर घोषित करता है।

केन्द्रीय सरकार से निवेदन है कि जोधपुर शहर को बी–2 श्रेणी का शहर घोषित करने हेतु दिलम्द निर्णय ले।

जनसंख्या की दृष्टि से भी इस शहर को जनसंख्या वर्ष 1979 के जून मास तक प्राप्त सांख्यिकी विभाग के आंकडों के अनुसार 4 लाख 3 हजार थी, जो वर्तमान में 1981 की जनगणना से पता चला है कि अब जोधपुर शहर की जनसंख्या बढ़कर करीब 4 लाख 93 हजार 609 से ज्यादा हो गई है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि उपरोक्त जनसंख्या में रक्षा प्रतिष्ठान (सैनिक, वायु सेना) में कार्यरत कर्मचारियों व उनके परिवारजनों की जनसंख्या सम्मिलित नहीं है, जो कि अलग से करीब 1 लाख 75 हजार है।

जोधपुर शहर का औद्योगिक विकास, शहर का एतिहासिक महत्व है और धार्मिक व पर्यटन क; दृष्टि से बढ़ते महत्व को देखते हुए अस्थायी आने वालों की जनसंख्या भी बढ़ती जा रही है।

अत: वित्त मंत्री जी से निवेदन है कि तृतीय वेतन आयोग की सिफारिश के आधार पर जोधपुर शहर को अविलम्ब बी–2 श्रेणी का शहर घोषित कर केन्द्रीय कर्मचारियों एवं आम जनता को न्याय दें।

(iv) Need to set up small scale and other industries in Punia district of Bihar.

श्रीमती माधुरी सिंह (पूर्णिया) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का ध्यान बिहार के पूर्णिया क्षेत्र की गंभीर समस्याओं की ओर आकर्षित करना चाहूंगी जहां पर बेकारी के कारण लोग इधर उधर भटक रहे हैं। एक तो यह पिछड़ा क्षेत्र है ही, दूसरे सरकार के ध्यान नहीं देने के कारण इसकी स्थिति और भी बदतर होती जा रही है।

सरकार ने दो जूट मिलों को खोलने का विचार किया है, अत: सरकार से अनुरोध है कि दोनों मिलों को विभिन्न स्थानों पर खोले, ताकि पूरे क्षेत्र के लोग समान रूप से फायदा ले सकें।

मैं उद्योग मंत्री जी से गुजारिश करना चाहूंगी कि इस क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए तत्काल लघु उद्योग धंधों को स्थापित करायें। विशेषज्ञों की एक समिति भेजकर स्थिति का जायजा लेकर उपयुक्त लघु उद्योग धंधों का काम शुरू करायें, ताकि मति भ्रमित एवं चिन्तित नवयुवक पथभ्रष्ट होने से बचाए जा सकें। इस क्षेत्र में पटसन की भी अधिकता है। अत: कटाई एवं टाट-बोरा उद्योग, दरी एवं धागों से बने अन्य छोटे–छोटे उद्योगों को पनपा कर विकास की पूर्णता की जाये। साथ ही खादी उद्योग डेरी-फार्म लघु चर्म उद्योग आदि के लिये बेहतर भूमिका प्रदान की जाए। और सरकार राज्य सरकार को भी निर्देश दे कि इस क्षेत्र की बिगड़ती स्थिति को सुधारने हेतु विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि जन-जीवन सुखमय हो सके। इस क्षेत्र की जनता का जीवन-स्तर ऊंचा नहीं तो सामान्य तो हो सके। यहां पर लघु उद्योग धंधों के विकास की पूर्ण सुविधायें उपलब्ध हैं। लघु उद्योगों में अधिक पूंजी की भी जरूरत नहीं पड़ती है, लोगों को काम मिल सकेगा, यही नहीं पटसन से बनी वस्तुओं से तो विदेशी मुद्रा की भी प्राप्ति हो सकेगी। अत : इस ओर सरकार अपेक्षित कदम उठाये और इस तिमिरावृत्त क्षेत्र में प्रकाश की एक किरण तो अवश्य ही पहुंचायें।

(v) Problems of Extravt departmental employees of P & T department.

श्री राम लाल राही : (मिसरिख) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन आप के माध्यम से अविलम्बनीय लोकमहत्व के निम्नलिखित विषय को उठाना चाहता हूं—

संचार सुविधा जनता के लिये दिनों–दिन दुरूह व दूभर होती जा रही है। इस के विकास में जिस तरह से जनता की गाढ़ी कमाई लग रही है उस के अनुरूप विभाग देश की जनता को सुविधा दिलाने में असफल रहा है। नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में हर 5 से 8 किलोमीटर की दूरी पर उप-डाकघर खोले जा रहे हैं। यही नहीं जनसुविधाओं हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 20 किलोमीटर के मध्य अब पी० सी० ओ० की भी सुविधा की गई है परन्तु 90 प्रतिशत पी०सी०ओ० महीनों से ग्रामीण क्षेत्रों में खराब हालत में पड़े हैं। कोई देखने वाला नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में उप-डाकघर खोलने का आधार यदि अल्प बचत योजना को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया होता और उपडाकघरों में लगे लोगों को वाजिब वेतन व सुविधायें दे कर उन से अल्प